# TELANGANA STATE PUBLIC SERVICE COMMISSION

**Notations :**

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

| | |
|---|---|
| **Question Paper Name :** | 49 Paper Code Hindi 29th Nov 2021 Shift 1 |
| **Subject Name :** | 49 Paper Code Hindi |
| **Duration :** | 180 |
| **Calculator :** | Normal |
| **Magnifying Glass Required? :** | No |
| **Ruler Required? :** | No |
| **Eraser Required? :** | No |
| **Scratch Pad Required? :** | No |
| **Rough Sketch/Notepad Required? :** | No |
| **Protractor Required? :** | No |
| **Show Watermark on Console? :** | Yes |
| **Highlighter :** | No |
| **Auto Save on Console? ( SA type of questions will be always auto saved ) :** | No |

## 49 Paper Code Hindi

| | |
|---|---|
| **Group Number :** | 1 |
| **Group Id :** | 881891256 |
| **Group Maximum Duration :** | 0 |

| | |
|---|---|
| **Group Minimum Duration :** | 180 |
| **Show Attended Group? :** | No |
| **Edit Attended Group? :** | No |
| **Break time :** | 0 |
| **Group Marks :** | 0 |
| **Is this Group for Examiner? :** | No |
| **Revisit allowed for group Instructions? :** | Yes |
| **Maximum Instruction Time :** | 0 |
| **Minimum Instruction Time :** | 0 |
| **Group Time In :** | Minutes |

# 49 Paper Code Hindi

| | |
|---|---|
| **Section Id :** | 881891256 |
| **Section Number :** | 1 |
| **Section type :** | Offline |
| **Mandatory or Optional :** | Mandatory |
| **Number of Questions :** | 1 |
| **Number of Questions to be attempted :** | 1 |
| **Section Marks :** | 0 |
| **Display Number Panel :** | Yes |
| **Group All Questions :** | No |
| **Enable Mark as Answered Mark for Review and Clear Response :** | Yes |
| **Section Instructions :** | |

English :

Absolute

| | |
|---|---|
| **Sub-Section Number :** | 1 |
| **Sub-Section Id :** | 881891256 |

**Question Number : 1 Question Id : 88189122729 Question Type : SUBJECTIVE**

**Correct Marks : 0**

# 049-H

Total No. of Questions: 8]
Total No. of Pages: 3]

## November - 2021

## Special Language Test for Officers of the Education Department
## Lower Standard - Written Examination, Paper - II, Hindi
## Translation from Hindi into English
## (Without Books)

*Time : 3 Hrs.]* *[Marks: 100*

*Note :*
1) *Candidate should attempt six Questions subject to alternatives or limitations, if any, mentioned herein or in each questions. If more are answered the last extra answers will be ignored.*
2) *Parts of the same questions must be answered together and must not be interposed other question(s).*
3) *Authorities should be quoted in support of the answers.*
4) *Question No. 1 is compulsory.*
5) *Candidates should answer the paper in English only, except language test or surveyors test, which should be answered in the language chosen only. In case of non-compliance, such Answer Script shall be invalidated.*

1. ट्रेन धड़- धड ------ झाँव ----- करती प्लैटफ़ार्म पर आ गयी । उसकी गति धीमी होते - होते, उसपर चढ़ने वाले लोग अपना-अपना सामान लेकर तैयार हो गए । उतरने वाले डिब्बे के भीतर खड़े होकर उतरने की तैयारी करने लगे । अब सामने एक गेट खुला । उतरने वाले गेट की ओर बढने लगे । अचानक एक बुढिया धीरे - धीरे खिसकती ट्रेन और प्लैटफ़ार्म के बीच गिर गयी । देखने वाले घबरा गए । कुछ लोगों ने उसे खींचकर प्लैटफ़ार्म पर एक ओर बिठा दिया । बुढिया को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमगयी ।

बुढिया न बोल रही थी न हिल - झुल रही थी । चुपचाप पत्थर की मूर्ती की तरह बैठी थी । वह साक्षात मौत के जबड़े से निकल कर बाहर आयी थी । यह बुढिया सबका ध्यान अनायास अपनी ओर आकर्षित करने वाला व्यक्तित्व लिए हुए थी । कुछ लोग सन जैसी सफ़ेद बालों वाली ओर छुहारे जैसे चिपके झुर्रीदार चेहरे वाली संज्ञाशून्य बुढिया को उपदेश देते थे ---- देखो बुढिया । चलती गाडी से उतरना नहीं चाहिए । क्या जल्दी थी ? गाडी खाडी

होती तो उतरती । कुछ उसे झिड़की भी दे रहे थे ---- चली है ट्रैन पर चड़ने । कहीं बैठकर राम - शाम क्यों नहीं करती ----- आदि - आदि ----- ।

[25]

2. हमारे समाज में बहुत लोग भाग्यवादी होते है और सबकुछ भाग्य के सहारे छोड़कर कर्म से विरत हो बैठते है । ऐसे व्यक्ति ही समाज को प्रगति के पथ पर अग्रसर नहीं होने देते । आज तक किसी भाग्यवादी ने संसार में कोई महान कार्य नहीं किया । बड़ी - बड़ी खोंजे, बड़े - बड़े आविष्कार और बड़े - बड़े निर्माण के कार्य श्रम के द्वारा ही संपन्न हो सके है ।

[15]

3. अभ्यास के बिना जीवन में सफलता नहीं मिल सकती । प्रथम बार में प्रत्येक कार्य कठिन लगता है । यदि व्यक्ति उस कार्य को कठिन समझकर बैठ जाएगा तो वह उसे कभी भी नहीं कर सकता । यदि हम अभ्यास छोड़देंगे तो सफलता हमें छोड़ देगी । योद्धा, गणित ज्ञ, संगीतकार, खिलाड़ी, कलाकार यदि अभ्यास नहीं करेगा तो कभी सफल नहीं हो पाएया । अतः अभ्यास करना सफलता की कुंजी है ।

[15]

4. धर्म और विज्ञान में परंपरा से विरोध माना जाता है । कहा जाता है कि धर्म की उत्पत्ती भय से हुयी और वह तर्कहीन विखास पर आश्रित है । विज्ञान की उत्पत्ति सत्य के प्रति वि ज्ञान से हुयी और उसे हर बात में तर्क, बुद्धि और प्रमाण की अपेक्षा होती है । धर्म मनुष्य को आध्यात्मवादी बनाता है और विज्ञान भौतिकवादी बनाता है । [15]

5. ज्ञान प्राप्ति के साथ - साथ पर्यटन से हमें सरस और रुचिपूर्व मनोरंजन भी प्राप्त होता है । विभिन्न स्थानों, वनों, पहाड़ों, नदी - तलाबों, सागर, प्राचीन स्मारक, शीलालेख, धर्म स्थल आदि का भ्रमण कर हमारा मन रोमांचित हो उठता है । देशाटन के दौरान हमें कई असुविधावोंका सामना भी करना पड़ता है । इससे हमें नयी - नयी जानकारियाँ भी मिलती है । अतः हमें समय - समय पर पर्यटन करने रहना चाहिए ।
[15]

6. बचपन में हम यह बात अक्सर सुनते थे कि - " खेलोगे कूदोगे तो होंगे खराब ।" कुछ लोग सोचते है कि खेलने - कूदने से समय बर्बाद होता है । स्वास्थ्य बनाने के लिए व्यायाम करना ही काफी है । परन्तु यह विचार ठीक नहीं है । खेल - कूद से स्वास्थ्य भी बनता है और कई अच्छे गुण भी सीखे जा सकते है । जैसे अभिमान न करना, साहस न छोड़ना, नियमपूर्वक काम करना, अभ्यास करना आदी । [15]

7. प्राचीन युग में समाज और राष्ट्र के जीवन में समाचार - पत्रों का बहुत ही विशेष और ऊंचा स्थान था । परन्तु आज समाचार - पत्रों का स्थान सोशल मीडिया ने लेलिया है । ये सोशल मीडिया किसी भी देश की सभ्यता, संस्कृति और शक्ति के मानदण्ड बन गए है । जिस देश में जितने अच्छे और जितने अधिक रूप से ये कार्य करेंगे वह उतना ही अधिक उन्नत और प्रभावशील माना जाएगा । [15]

8. मनुष्य सामाजिक प्राणी है । वह सभी कार्य अपने आप नहीं कर सकता । उसे एक - दूसरे की सहायता लेना ही पड़ती है । समाज में उसे अच्छे लोगों के साथ - साथ बुरे लोग भी मिलते है । यदि वह अच्छे लोगों की संगत में रहेना तो उसपर अच्छा प्रभाव पडेगा । बुरे लोगों की संगत का बुरा प्रभाव पड़ता है । इसीलिए मनुष्य को चाहिए कि वह अच्छे लोगों के साथ अपना अधिक से अधिक समय बिताए । [15]

OOO